जयपुर मेट्रो को मिला सेफ्टी सर्टिफिकेट

आज दिनांक 1 मई को कमिश्नर मेट्रो रेलवे सेफ्टी, मुंबई, चेतन बख्शी द्वारा जयपुर मेट्रो रेल परियोजना फेज–1ए के मानसरोवर से चांदपोल रूट में मेट्रो संचालन का सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया, जिससे सुरक्षा की दृष्टि से अब जयपुर मेट्रो को व्यवसायिक संचालन हेतु हरी झण्डी मिल गई है। उल्लेखनीय है कि सीएमआरएस के दो बार में 6 दिवसीय निरीक्षण दौरे के बाद यह प्रमाण पत्र मिला है। सीएमआरएस द्वारा पहली बार दिनांक 14 से 18 मार्च व दूसरी बार 25 व 26 अप्रैल को जयपुर मेट्रो रेल परियोजना का गहन परीक्षण व निरीक्षण कर विभिन्न प्रकार के डेटा को संकलित किया एवं उनकी जांच के उपरान्त यह प्रमाण पत्र जारी किया।

इस विषय में जयपुर मेट्रो के सीएमडी निहाल चन्द गोयल द्वारा स्वयं मुंबई जाकर सीएमआरएस से मुलाकात कर उनसे चर्चा के बाद संतुष्ट कर इस प्रमाण पत्र हेतु निवेदन किया तथा सीएमआरएस ने इस पर पूर्ण संतुष्टि उपरान्त यह सर्टिफिकेट आज जारी कर दिया। इस प्रकार दिल्ली, बैंगलोर और मुंबई मेट्रो के बाद जयपुर मेट्रो रेल भारत की चौथी मेट्रो है जिसे संचालन बाबत यह सेफ्टी प्रमाण पत्र मिला है।

सीएमडी गोयल ने मुंबई से अवगत कराया कि इस प्रमाण पत्र के साथ सीएमआरएस द्वारा कुछ शर्तें भी लगाई गई है जैसे वायाडक्ट के नजदीक स्थित बिल्डिगंस जैसे रावत होटल पर स्क्रीनिगं (व्यू कटर) लगाना, स्पीड लिमिट दर्शाने वाले रेट्रो रिफ्लेक्टिव साईन बोर्ड लगाना, डबल डेकर पर लोड टेस्ट करना इत्यादि, जिनको पूरा करने मे करीब 20 से 25 दिन का समय लग सकता है। सीएमआरएस ने मेट्रो रेल प्रशासन को अधिकृत किया है कि इन शर्तों की अपने स्तर पर अनुपालना कर बिना उनके पुनः निरीक्षण के मेट्रो संचालन शुरू कर सकता है। यह सेफ्टी प्रमाण पत्र जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की सफलता एवं यात्री संचालन के लिए एक मील का पत्थर है। इन शर्तों की अनुपालना के बाद राज्य सरकार के स्तर पर विचार विमर्श उपरान्त मेट्रो के संचालन की तिथि तय की जायेगी।

फोटो केप्शनः– सीएमडी गोयल सीएमआरएस से मुंबई में सेफ्टी सर्टिफिकेट लेते हुए।